सत्रीय कार्य पुस्तिका

(जनवरी, 2014 और जुलाई, 2014 सत्र के लिए)

जैविक खेती में प्रमाणपत्र
(सी ओ एफ)

शैक्षणिक वर्ष 2014 के लिए सत्रीय कार्य

टिप्पणी: विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य / प्रश्नों निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंक और उपअंश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर अपने शब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर उध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये हैं उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द्र पर अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते हैं। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी है।

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा की आपको ज्ञात है कि सैद्धान्तिक अंतिम चरण के लिए 80% महत्व सैद्धान्तिक परीक्षा तथा 20% महत्व तथा सौपें हुए कार्य (सत्रीय कार्य) का महत्व होगा। सौपें हुए कार्य को तैयार करने के निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य 50 अंकों का होगा यानि संपूर्ण कार्यक्रम के लिए कुल 4 सत्रीय कार्य होगें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों को होगा जो कि बाद में सैद्धान्तिक परीक्षा के 20% के बराबर होगा।

सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य लिखने से पहले निम्नलिखित निर्देशों का अच्छी प्रकार अध्ययन कर ले। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना आरूप में दे।

नामांकन संख्या.....
नाम.....
पता .....
.....
.....

पाठ्यक्रम नियमावली.....
पाठ्यक्रम शीर्षक .....
अध्ययन केंन्द्र..... दिनांक.....
(नाम तथा नामावली)

मूल्यांकन को सरल बनाने तथा देरी से बचाव के लिए कृपया दिये गये आरूप का सख्ती से पालन करें।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए पूर्ण आकार के पन्ने का प्रयोग करें।
3. अपनी अभ्यासपुस्तिका के शीर्ष, तले तथा बायीं ओर 4 सेन्टीमीटर का स्थान खाली छोड़ें।
4. उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या और प्रश्न के उस भाग को जिसको हल किया गया है अच्छी प्रकार इंगित करें।

सत्रीय कार्य संख्या	**जमा करने की तारीख (जनवरी, 2014 के लिए)**	**जमा करने की तारीख (जुलाई, 2014 के लिए)**
सत्रीय कार्य 1 (BAP-001)	31 मार्च, 2014 से पहले	31 जुलाई, 2014 से पहले
सत्रीय कार्य 2 (BAPI-001)	30 अपैल, 2014 से पहले	17 अगस्त, 2014 से पहले
सत्रीय कार्य 3 (BAPI-002)	15 मई, 2014 से पहले	7 सितम्बर, 2014 से पहले
सत्रीय कार्य 4 (BAPI-003)	30 मई, 2014 से पहले	21 सितम्बर, 2014 से पहले

5. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को भेजें।
6. हम बलपूर्वक सुझाव देते हैं कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक

शुभकामनाओं सहित।

सत्रीय कार्य – 1
पाठ्यक्रम कोड: BAP-001
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक खेती का परिचय

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. जैविक खेती को परिभाषित करें। वर्तमान भारतीय कृषि दशा में जैविक खेती एवं खाद्य सुरक्षा के बारे में अपना विचार दें। 10

प्रश्न 2. जैविक खेती उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित कर रही है लेकिन नितियाँ बनाने वालों को नहीं, ऐसा क्यों है? आप अपना विचार बतायें। 10

प्रश्न 3. अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर जैविक खाद्य उत्पादन की स्थिति का विस्तारपूर्वक चर्चा करें। 10

प्रश्न 4. जैविक खाद्य उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण सामान्य राष्ट्रीय मानक कौन–2 से हैं? विस्तार में परिभाषित करें। 10

प्रश्न 5. राष्ट्रीय तथा अर्न्तराष्ट्रीय मानक भारत में जैविक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कैसे हैं? इसके बारे में समग्र विचार प्रकट करें। 10

सत्रीय कार्य – 2
पाठ्यक्रम कोड: BAPI-001
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक उत्पादन पद्धति

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. जैविक उत्पादन पद्धति में पेड़ कैसे सहायक हैं? उचित उदाहरण के साथ व्याख्या करें। 10

प्रश्न 2. अनाज तथा दलहनी फसलों के खेत की तैयारी के विशेष आशय में क्या भिन्नता हैं? आप अपने विश्लेषण को संतुष्ट करने के लिए उचित उदाहरण दें। 10

प्रश्न 3. जैविक खेत के तहत मृदा उर्वरता परम्परागत खेत की अपेक्षा अच्छी होती है। उसके कारण बतायें। 10

प्रश्न 4. उचित उदाहरणों सहित जैविक खेती में पीड़क जीवों के नियंत्रण हेतू विभिन्न विधियों की व्याख्या करें। 10

प्रश्न 5. जैविक खेती के तहत पीड़क जीवों के प्रबन्धन हेतू जैव–नियंत्रणकर्त्ता के महत्व की व्याख्या करें। उनके महत्वपूर्ण आशयों की चर्चा करें। 10

सत्रीय कार्य – 3
पाठ्यक्रम कोड: BAPI-002
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक उत्पाद का निरिक्षण एवं प्रमाणीकरण

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. जैविक खेती के तहत आन्तरिकी नियंत्रण प्रणाली एक महत्वपूर्ण जरूरत है। आप अपने शब्दों में इसकी व्याख्या करें। आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को परिभाषित करें। 10

प्रश्न 2. प्रमाणीकरण संस्थाओं का प्रमाणन क्यों जरूरी है? जैविक उत्पादन के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत प्रमाणीकरण संस्थाओं के प्रमाणन के लिए निर्धारित मुख्य कसौटियों (criteria) की चर्चा करें। 10

प्रश्न 3. एक जैविक खेत के प्रमाणन के लिए निर्धारित प्रारूप (formet) सूचना इकठ्ठा एवं निरिक्षण में सहायक कैसे होता है? इसकी चर्चा उपलब्ध प्रारूपों को सूचीबद्ध करते हुए करें। 10

प्रश्न 4. जैविक खेती में मानकों के अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अभिरक्षा की माला (chain of custody) एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस वाक्य को आप अपने शब्दों में उचित उदाहरण सहित चर्चा करें। अभिरक्षा की माला हेतू निर्धारित आवश्यकताओं की चर्चा करें। 10

प्रश्न 5. भारतीय जैविक चिन्ह (India Organic Logo) के प्रयोग का अधिकार किसान/प्रसंस्करण करने वाला/निर्यात करने वाले को कैसे दिया जाता हैं? इस चिन्ह को प्राप्त करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में पूर्ण विवरण दें। 10

सत्रीय कार्य – 4
पाठ्यक्रम कोड: BAPI-003
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक उत्पादों का विपणन और अर्थशास्त्र

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. ऐसा प्रायः कहा जाता है कि जैविक खेती रासायनिक खेती से ज्यादा लाभप्रद है। क्यों? इसका वर्णन लाभ : लागत अनुपात देते हुए करें। 10

प्रश्न 2. 'जैविक खाद्य पदार्थ का विपणन हमारे देश में विनियमित नहीं है।' उदाहरण के साथ वर्णन करें। 10

प्रश्न 3. भारत में जैविक खेती का क्षेत्रफल बढ़ानें में सरकारी योजनायें कैसे सहायक हैं? जैविक खेती हेतू उपलब्ध सरकारी परियोजनाओं के प्रमुख लक्षणों की चर्चा करें। 10

प्रश्न 4. जैविक खाद्य पदार्थों की एक उचित विपणन प्रणाली विकसित करने के लिए कौन सी रणनीति होनी चाहिए? विस्तार से चर्चा करें। 10

प्रश्न 5. जैविक मसालों की आपूर्ति श्रृंखला का वर्णन करें। 10